NEXT IAS

# दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

**समय:** 45 मिनट

**दिनाँक:** 19-10-2024

## विषय सूची


समुद्री/मरीन हीट वेव

वैवाहिक बलात्कार में अपवाद के सन्दर्भ में

2024 वैश्विक बहुआयामी निर्धनता सूचकांक

जलवायु आघातों के बीच ग्रामीण गरीबों की बढ़ती कमजोरियाँ

नॉन-काइनेटिक वारफेयर/गैर-गतिज युद्धनीति

**संक्षिप्त समाचार**

अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

अजोरेस द्वीप समूह

अमेरिका का क्लिक-टू-कैंसिल नियम

"लेडी जस्टिस" की नई प्रतिमा

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

मधुमेह के लिए स्मार्ट इंसुलिन

टिड्डियों का प्रकोप

अफ्रीकी बाओबाब (एडानसोनिया डिजिटाटा)

मुसनेड प्लेटफार्म

मलावी

# समुद्री/मरीन हीट वेव

## सन्दर्भ

- शोधकर्ताओं ने पाया कि महासागरों की गहराई में समुद्री हीट वेव (MHW) की जानकारी काफ़ी कम दी जाती है और यह समुद्री धाराओं के कारण होती है।
    - हालाँकि, वे ग्लोबल वार्मिंग से भी प्रभावित हो रही हैं।

## परिचय

- हाल के वर्षों में, ग्लोबल वार्मिंग ने MHW को अधिक लगातार और तीव्र बना दिया है, लेकिन नए अध्ययन के अनुसार यह घटना सतह से बहुत दूर देखी जाती है।
- गोधूलि क्षेत्र के तापमान में अत्यधिक तापमान परिवर्तन भी चिंता का विषय है, क्योंकि कई मछली प्रजातियाँ और प्लवक यहाँ रहते हैं।
    - महासागरों का गोधूलि क्षेत्र 200 से 1,000 मीटर के बीच स्थित है, फिर भी कुछ दृश्यता है।
    - प्लवक समुद्री खाद्य श्रृंखला का आधार बनाते हैं और छोटी मछलियों के लिए भोजन का स्रोत हैं।

## समुद्री हीट वेव क्या हैं?

- यह तब होता है जब समुद्र के किसी विशेष क्षेत्र का सतही तापमान कम से कम पांच दिनों के लिए औसत तापमान से 3 या 4 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाता है।
- MHW कई हफ़्तों, महीनों या वर्षों तक चल सकता है।
- वे गर्मियों या सर्दियों में हो सकते हैं - उन्हें वर्ष के स्थान और समय के लिए अपेक्षित तापमान के अंतर के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

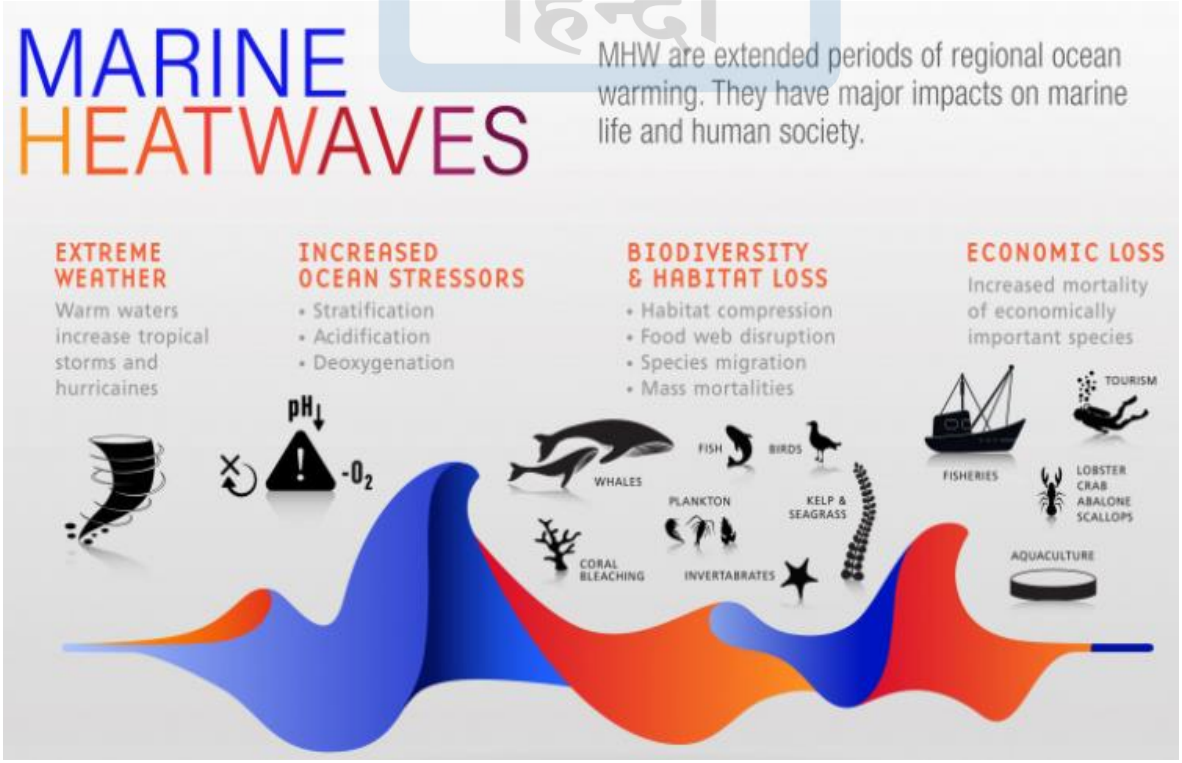

## MHWs के कारण

- **जलवायु परिवर्तन:** जैसे-जैसे वायुमंडलीय तापमान बढ़ता है, महासागरों का तापमान भी बढ़ता है, जिससे अधिक बार और तीव्र गर्मी की लहरें आती हैं।
- **महासागरीय धाराएँ:** महासागरीय धाराओं में परिवर्तन स्थानीय तापमान को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि उष्ण जल को किसी विशिष्ट क्षेत्र में ले जाया जाता है, तो इससे समुद्र की सतह का तापमान बढ़ सकता है।
- **अल नीनो और ला नीना घटनाएँ:** ये जलवायु घटनाएँ समुद्र के तापमान को महत्वपूर्ण रूप से बदल देती हैं।
    - अल नीनो सामान्यतः समुद्र की गर्म परिस्थितियों की ओर ले जाता है, जो MHW को उत्प्रेरित कर सकता है, जबकि ला नीना के जटिल प्रभाव हो सकते हैं, जिससे कभी-कभी कुछ क्षेत्रों में ठंडा तापमान हो सकता है।
- **स्थानीय पर्यावरणीय परिवर्तन:** तटीय विकास, प्रदूषण और अत्यधिक मछली पकड़ने जैसी मानवीय गतिविधियाँ स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बदल देती हैं और तापमान में वृद्धि में योगदान करती हैं।

## समुद्री हीट वेव का प्रभाव

- **कई समुद्री प्रजातियों की मृत्यु:** 2010 और 2011 की गर्मियों के दौरान पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई तट पर MHWs से कुछ "विनाशकारी" मछलियों की मृत्यु हो गयी।
- **केल्प वनों का विनाश:** केल्प सामन्यतः ठंडे पानी में उगते हैं, जो कई समुद्री जानवरों के लिए आवास और भोजन प्रदान करते हैं। MHWs तट के पारिस्थितिकी तंत्र को बदलते हैं और उनके विनाश का कारण बनते हैं।
- **कोरल ब्लीचिंग:** उच्च तापमान प्रवाल भित्तियों पर दबाव डालता है, जिससे ब्लीचिंग होती है और मृत्यु दर बढ़ जाती है।
- **प्रजातियों का वितरण:** कई समुद्री प्रजातियाँ अपने क्षेत्रों को ठंडे पानी में स्थानांतरित करती हैं, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र और मत्स्य पालन प्रभावित होते हैं।
- **मत्स्य पालन पर प्रभाव:** परिवर्तित प्रजाति वितरण और स्वास्थ्य मछलीकी जनसँख्या को प्रभावित करते हैं, वाणिज्यिक और मनोरंजक मछली पकड़ने को प्रभावित करते हैं।
- **आर्थिक परिणाम:** मछली की उपलब्धता में बदलाव और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में गिरावट के कारण मछली पकड़ने का उद्योग, पर्यटन एवं तटीय अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित होती हैं।

## आगे की राह

- **जलवायु कार्रवाई:** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना महत्वपूर्ण है।
    - अक्षय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन और ऊर्जा दक्षता में सुधार, जलवायु परिवर्तन और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभावों को कम करने में सहायता कर सकता है।
- **बढ़ी हुई निगरानी:** महासागर निगरानी प्रणालियों में निवेश करने से MHWs के बारे में हमारी समझ बेहतर हो सकती है।

- **अनुसंधान और मॉडलिंग:** MHWs के कारणों और परिणामों पर अनुसंधान का समर्थन करना महत्वपूर्ण है।
- **सामुदायिक जुड़ाव:** संरक्षण और प्रबंधन प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से समुद्री संसाधनों के प्रबंधन को बढ़ावा मिल सकता है।
- **कमजोर समुदायों के लिए समर्थन:** अपनी आजीविका के लिए समुद्री संसाधनों पर निर्भर समुदायों को सहायता प्रदान करने से उन्हें बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने में मदद मिल सकती है।
- **नवीन समाधान:** जलीय कृषि और समुद्री शैवाल खेती जैसी नई तकनीकों और विधियों की खोज, स्थायी खाद्य स्रोत प्रदान करते हुए MHWs के प्रभावों को कम करने में सहायता कर सकती है।

**Source:** IE

## वैवाहिक बलात्कार में अपवाद के सन्दर्भ में

### समाचार में

- उच्चतम न्यायालय विवाह में सहमति के बिना यौन क्रियाकलापों को बलात्कार के रूप में अपराध घोषित करने की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।
    - न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला ने प्रश्न उठाया कि गलत तरीके से बंधक बनाना, डराना-धमकाना और हमला करना अपराध क्यों है, लेकिन पति द्वारा जबरन यौन संबंध बनाना बलात्कार क्यों नहीं माना जाता।

### ऐतिहासिक संदर्भ:

- वैवाहिक बलात्कार अपवाद (MRE) औपनिवेशिक अंग्रेजी कानून, विशेष रूप से "कवरचर के सिद्धांत(doctrine of coverture)" से उत्पन्न हुआ है, जिसने विवाहित महिलाओं की कानूनी स्वायत्तता छीन ली।
- MRE ऐतिहासिक विचारों से प्रभावित था, विशेष रूप से 18वीं शताब्दी में विधिवेत्ता मैथ्यू हेल से, जिन्होंने इस बात पर बल दिया था कि विवाह अपरिवर्तनीय सहमति के बराबर है।
- इंग्लैंड ने 1991 में MRE को समाप्त कर दिया, लेकिन भारत ने इसे बरकरार रखा।

### वैवाहिक हिंसा पर आंकड़े:

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-2021) के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में लगभग एक तिहाई विवाहित महिलाओं को अपने पतियों से शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करना पड़ा है।
    - इसके अतिरिक्त, वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि लगभग तीन-चौथाई यौन हमले अंतरंग सेटिंग में होते हैं, जो प्रायः पीड़ित के किसी परिचित द्वारा किए जाते हैं।

### वर्तमान विधिक ढांचा:

- आईपीसी की धारा 375 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 63, पति द्वारा बिना सहमति के यौन संबंध बनाने को बलात्कार की परिभाषा से बाहर रखती है, अगर पत्नी की उम्र क्रमशः 15 या 18 वर्ष से अधिक है।

- ये धाराएँ पतियों को अपनी पत्नियों के साथ बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के मामले में कानूनी छूट प्रदान करती हैं।
- एक विवाहित महिला घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम जैसे अन्य कानूनों के तहत राहत मांग सकती है, लेकिन ये सीमित हैं।

## मुद्दे और चिंताएँ

- याचिकाकर्ताओं का दावा है कि वर्तमान कानून महिलाओं के शारीरिक अखंडता, स्वायत्तता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।
    - अपवाद को असंवैधानिक माना जाता है, जो निम्न का उल्लंघन करता है:
        - अनुच्छेद 14 (कानून के तहत समान सुरक्षा)।
        - अनुच्छेद 15(1) (भेदभाव न करने का अधिकार)।
        - अनुच्छेद 21 (गोपनीयता और शारीरिक अखंडता का अधिकार)।
- बलात्कार से महिलाओं को होने वाली हानि, चाहे अपराधी का उनसे कोई भी रिश्ता क्यों न हो, मूल रूप से एक जैसा ही है।
- यह तर्क दिया जाता है कि विवाहित महिला के सेक्स से इनकार करने के अधिकार को मान्यता देने से विवाह कमज़ोर नहीं होगा; यह यौन स्वायत्तता की पुष्टि करता है।
- यह तर्क दिया जाता है कि सहमति एक स्पष्ट और स्वैच्छिक समझौता होना चाहिए, जो विवाहित महिलाओं पर भी लागू हो।

## सरकार का दृष्टिकोण:

- केंद्र सरकार MRE को रद्द करने के विरुद्ध तर्क देती है, उसका दावा है कि इससे विवाह कमजोर हो सकता है, झूठे आरोप लग सकते हैं, तथा इसे कानूनी मुद्दे के बजाय सामाजिक मुद्दा माना जाना चाहिए।

## न्यायिक टिप्पणियां:

- मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कानून में असंगतता पर ध्यान दिया, जहां कुछ कृत्यों को बलात्कार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे किसी अजनबी द्वारा किए गए हों, लेकिन पति द्वारा नहीं।
- उच्चतम न्यायलय ने पहले भी माना है कि अंतरंग साथी हिंसा बलात्कार की श्रेणी में आ सकती है।
- कर्नाटक उच्च न्यायालय के 2022 के निर्णय ने वैवाहिक बलात्कार के लिए पतियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी।

## भविष्य का दृष्टिकोण

- न्यायालय को यह मूल्यांकन करने का अधिकार है कि क्या MRE मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, और यदि ऐसा है तो उसे रद्द कर सकता है।
    - न्यायलय इस बात पर विचार कर रही है कि क्या कोई नया अपराध बनाया जाए या वर्तमान कानूनों को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप बनाया जाए।

**Source: TH**

# 2024 वैश्विक बहुआयामी निर्धनता/गरीबी सूचकांक

## सन्दर्भ

- 2024 वैश्विक बहुआयामी निर्धनता सूचकांक, संघर्ष के बीच निर्धनता विषय के साथ प्रकाशित किया गया है।

## वैश्विक बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के बारे में

- MPI को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफोर्ड निर्धनता और मानव विकास पहल द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है।
- यह सूचकांक इन तीन आयामों में 10 संकेतकों का उपयोग करता है।
- यदि कोई परिवार इन संकेतकों में से एक-तिहाई या उससे अधिक में वंचित है, तो उसे बहुआयामी निर्धन माना जाता है।

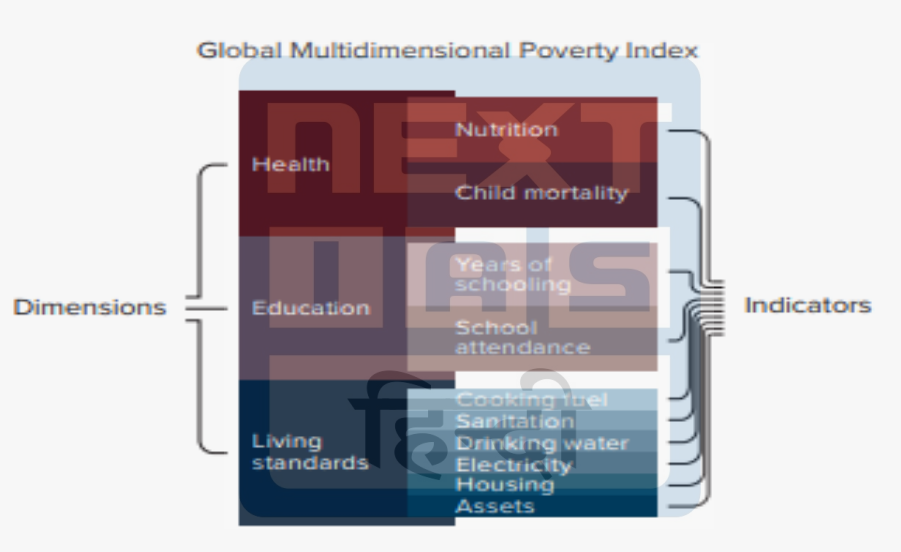


## मुख्य निष्कर्ष

- 112 देशों और 6.3 बिलियन लोगों में से 1.1 बिलियन लोग (18.3 प्रतिशत) तीव्र बहुआयामी निर्धनता में रहते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन लोग रहते हैं: 962 मिलियन (83.7 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं।
  - सभी निर्धन लोगों में से लगभग 70.7 प्रतिशत लोग उप-सहारा अफ्रीका (463 मिलियन) और दक्षिण एशिया (350 मिलियन) के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं।
- निर्धनता में रहने वाले सबसे अधिक लोगों वाले पाँच देश भारत (234 मिलियन), पाकिस्तान (93 मिलियन), इथियोपिया (86 मिलियन), नाइजीरिया (74 मिलियन) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (66 मिलियन) हैं।
  - इन पाँच देशों में कुल 1.1 बिलियन निर्धन लोगों में से लगभग आधे (48.1 प्रतिशत) लोग रहते हैं। 18 वर्ष से कम आयु के लगभग 584 मिलियन लोग अत्यधिक निर्धनता में रह रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर सभी बच्चों का 27.9% है, जबकि वयस्कों का 13.5% है।

- **संघर्ष वाले क्षेत्रों में निर्धनता:** रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय की तुलना में अधिक संघर्ष हुए, जिसके कारण 117 मिलियन से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा।
  - 1.1 बिलियन लोगों में से लगभग 40% लोग निर्धनता में रहते हैं, अर्थात् लगभग 455 मिलियन लोग संघर्ष वाले देशों में रहते हैं।

## भारत के खराब प्रदर्शन के कारण

- **क्षेत्रीय असमानताएँ:** अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे, खराब सेवा वितरण और कृषि के अतिरिक्त सीमित आर्थिक अवसरों के कारण ग्रामीण निर्धनता दर उच्च बनी हुई है।
- **खराब पोषण:** भारत गंभीर कुपोषण का सामना कर रहा है, विशेषकर बच्चों में।
- **शिक्षा की गुणवत्ता:** कई सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता खराब है, जिससे सीखने के परिणाम अपर्याप्त हैं।
- **पानी और स्वच्छता:** सुरक्षित पेयजल की खराब पहुँच और अपर्याप्त स्वच्छता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, कई परिवारों को बहुआयामी निर्धनता की ओर प्रेरित कर रही है।
- **आर्थिक आघत:** COVID-19 महामारी ने भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से बाधित कर दिया, जिससे लाखों परिवारों की रोजगार चले गए, आय कम हो गई और उनकी कमज़ोरियाँ बढ़ गईं।

## निर्धनता/गरीबी उन्मूलन के लिए सरकारी कदम

- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013:** यह 67% जनसँख्या(ग्रामीण क्षेत्रों में 75% और शहरी क्षेत्रों में 50%) को अत्यधिक सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार देता है।
- **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) (2016):** यह पहल गरीबी रेखा से नीचे (BPL) परिवारों की महिलाओं को LPG (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) कनेक्शन प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।
- **आयुष्मान भारत योजना:** यह लाभार्थियों को महंगे चिकित्सा उपचारों के वित्तीय भार से बचाने के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है, जिससे उन्हें स्वास्थ्य देखभाल लागतों के कारण गरीबी में अत्यधिक गिरने से बचाया जा सके।
- **राष्ट्रीय पोषण मिशन (POSHAN अभियान):** 2018 में शुरू किया गया, इस मिशन का उद्देश्य विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में बौनेपन, कुपोषण और एनीमिया पर ध्यान केंद्रित करके कुपोषण को कम करना है।
- **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE):** 2009 में लागू किया गया RTE अधिनियम 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करता है।
- **स्वच्छ भारत मिशन:** इस मिशन का उद्देश्य शौचालयों का निर्माण और स्वच्छता को बढ़ावा देकर सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्राप्त करना है।

## आगे की राह

- भारत ने विभिन्न पहलों के माध्यम से निर्धनता में कमी लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन इसमें और सुधार की गुंजाइश है।

- स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना, सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार करना और बेहतर कार्यान्वयन के लिए डिजिटल समाधानों का लाभ उठाना यह सुनिश्चित करेगा कि बहुआयामी निर्धनता में कमी जारी रहे।

**Source:** UNDP

## जलवायु आघातों के बीच ग्रामीण गरीबों की बढ़ती कमज़ोरियाँ

### सन्दर्भ

- FAO की रिपोर्ट "**द अनजस्ट क्लाइमेट** " पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की वार्ता में देश के ग्रामीण भागों में बहुआयामी गरीबी और जलवायु कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

### मुख्य विशेषताएं

- **आय असमानताएँ:** चरम मौसम, विशेष रूप से गर्मी का तनाव, आय असमानता को बढ़ाता है।
  - गरीब ग्रामीण परिवारों को हीटवेव के कारण 5% आय की हानि और बाढ़ से 4.4% की हानि होती है, जो कि धनी परिवारों की तुलना में काफी अधिक है।
- **लिंग प्रभाव:** यदि औसत तापमान में केवल 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है, तो महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अपनी कुल आय में 34 प्रतिशत अधिक हानि का सामना करना पड़ेगा।
  - अत्यधिक तापमान बाल श्रम को खराब बनाता है और गरीब परिवारों में महिलाओं के लिए अवैतनिक कार्यभार बढ़ाता है।

### भारतीय परिदृश्य

- रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत ने पिछले दो दशकों में ग्रामीण गरीबी को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है।
- 2005/06 में गरीबी दर 42.5 प्रतिशत से प्रभावशाली रूप से घटकर 2022/24 में 8.6 प्रतिशत हो गई है।
- जलवायु परिवर्तन भारत के ग्रामीण गरीबों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है, विशेषकर बहुआयामी गरीबी में फंसे लोगों को।
  - संरचनात्मक असमानताएं और कम अनुकूलन क्षमता इस समस्या को अधिक खराब बनाती हैं।

### जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव

- **जलवायु शरणार्थी:** समुद्र-स्तर में वृद्धि, बाढ़ और चरम मौसम लाखों लोगों को विस्थापित करते हैं, जिससे उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
  - यह विस्थापित जनसँख्या और मेजबान क्षेत्रों दोनों के लिए चुनौतियाँ उत्पन्न करता है, जिससे संसाधन संघर्ष और सामाजिक-राजनीतिक तनाव उत्पन्न होते हैं।
- **आजीविका की हानि:** तटीय क्षेत्रों और कृषि एवं मत्स्य पालन पर निर्भर क्षेत्रों में, जलवायु परिवर्तन से पारंपरिक आजीविका को जोखिम होता है।

- **ऊर्जा की बढ़ती माँग:** बढ़ते तापमान से ऊर्जा की माँग बढ़ जाती है, विशेष रूप से शीतलन के लिए, जिससे बिजली ग्रिड पर दबाव पड़ता है और ऊर्जा की लागत बढ़ जाती है।
- **बीमारियों का प्रसार:** जलवायु परिवर्तन वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को बढ़ावा देता है क्योंकि गर्म तापमान और बदले हुए वर्षा पैटर्न मच्छरों एवं अन्य रोग वाहकों के आवासों का विस्तार करते हैं।

## नीति अनुशंसाएँ

- **पूर्वानुमानित सामाजिक संरक्षण:** वित्तीय सहायता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, जो चरम मौसम की घटनाओं से पहले सहायता प्रदान करते हैं, ताकि परिवारों को नकारात्मक मुकाबला रणनीतियों का सहारा लेने से रोका जा सके।
- **कार्यबल विविधीकरण:** ग्रामीण परिवारों को जलवायु-संवेदनशील कार्यों से दूर अपने आय स्रोतों में विविधता लाने में सहायता करने के लिए कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और मेंटरशिप कार्यक्रमों में निवेश करें।
- **लिंग-परिवर्तनकारी दृष्टिकोण:** महिलाओं को गैर-कृषि रोजगार में भाग लेने से रोकने वाले भेदभावपूर्ण लिंग मानदंडों से निपटना महत्वपूर्ण है।
- **सहभागी कृषि विस्तार:** कृषि प्रयोग के लिए समूह-आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने से ग्रामीण किसानों को बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल होने में सहायता मिल सकती है।
- **अनुकूली प्रौद्योगिकियों तक पहुँच:** भूमि-बाधित परिवारों का समर्थन करने के लिए जलवायु-लचीली कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने में सार्वजनिक निवेश महत्वपूर्ण है।

## आगे की राह

- भारत में गरीबी को प्रभावी रूप से कम करने के लिए, ग्रामीण समुदायों पर जलवायु प्रभावों से निपटना महत्वपूर्ण है, जो चरम मौसम की घटनाओं से असमान रूप से प्रभावित होते हैं।
- लक्षित हस्तक्षेप जो ग्रामीण परिवारों की अनुकूलन क्षमता को मजबूत करते हैं और जलवायु जोखिमों के प्रति उनके जोखिम को कम करते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि गरीबी में कमी के लाभ निरंतर बने रहें।

**Source:** TH

# नॉन-काइनेटिक वारफेयर/गैर-गतिज युद्धनीति

## सन्दर्भ

- "हाइब्रिड वारफेयर" से निपटने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारी उन 17 विषयों में से एक है, जिन्हें रक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति ने इस वर्ष के लिए विचार-विमर्श हेतु चुना है।
    - हाइब्रिड वारफेयर में काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक दोनों प्रकार के वारफेयर तरीकों का उपयोग किया जाता है।

## परिचय

- समिति ने रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन संघर्षों के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए "नॉन-काइनेटिक वारफेयर" के बढ़ते खतरे पर विस्तार से बात की, जहां इन तरीकों का इस्तेमाल किया गया है।
- इसने तर्क दिया कि भविष्य के युद्ध इन उपकरणों का उपयोग करके लड़े जाएंगे और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संसदीय पैनल इन खतरों का सामना करने के लिए सेना की तैयारियों की ध्यानपूर्वक जांच करे।

## नॉन-काइनेटिक वारफेयर

- नॉन-काइनेटिक वारफेयर सामान्यतः किसी प्रत्यक्ष पारंपरिक सैन्य कार्रवाई के बिना किसी विरोधी के खिलाफ कार्रवाई को संदर्भित करता है।
- इसमें सूचना वारफेयर, साइबर वारफेयर, मनोवैज्ञानिक ऑपरेशन, विद्युत चुम्बकीय आक्रमण और क्रिप्टोग्राफ़िक युद्ध जैसी संभावनाएँ शामिल हैं। तकनीकी प्रगति के साथ, कई लोगों का मानना है कि नॉन-काइनेटिक वारफेयर पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक घातक हो सकता है और गोली चलने से पहले ही नॉन-काइनेटिक तरीकों से संघर्ष जीता जा सकता है।
- **काइनेटिक वारफेयर:** काइनेटिक वारफेयर का अर्थ सामान्यतः हथियारों की एक श्रृंखला का उपयोग करने वाले सैन्य साधनों से है।
- जबकि काइनेटिक विकल्पों में ड्रोन को शारीरिक रूप से शूट करना और नष्ट करना शामिल है, नॉन-काइनेटिक विकल्पों में उन्हें जाम करना या उनके संचालन पर नियंत्रण करना शामिल है।

## नॉन-काइनेटिक वारफेयर के लिए तैयारी कई कारणों से महत्वपूर्ण है:

- **विकसित होता ख़तरा परिदृश्य:** जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ती है, विरोधी साइबर और सूचना वारफेयर की रणनीति का प्रयोग तेज़ी से करने लगते हैं। भारत को इन उभरते ख़तरों के अनुकूल ढलना होगा।
- **निवारण:** एक मज़बूत गैर-गतिज रक्षा संभावित हमलावरों को उनकी रणनीतियों का मुक़ाबला करने की क्षमता का प्रदर्शन करके रोक सकती है, जिससे संघर्ष की संभावना कम हो जाती है।
- **महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा:** नॉन-काइनेटिक हमले प्रायः महत्वपूर्ण प्रणालियों, जैसे कि बिजली ग्रिड और संचार नेटवर्क को निशाना बनाते हैं।
    - तैयारी लचीलापन और संभावित व्यवधानों से तेज़ी से उबरने को सुनिश्चित करती है।

## रक्षा संबंधी स्थायी समिति

- इसका गठन लोकसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 331C के तहत किया गया है।
- समिति का गठन पहली बार 1993 में किया गया था। इसके अधिकार क्षेत्र में रक्षा मंत्रालय है।
- **सदस्य:** इसमें 31 सदस्य होते हैं; 21 सदस्य लोकसभा से, जिन्हें अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है, और 10 सदस्य राज्यसभा से, जिन्हें सभापति द्वारा नामित किया जाता है।

- समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति अध्यक्ष द्वारा की जाती है। समिति के सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष से अधिक नहीं होता है।

- **कार्य:** रक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर विचार करना,
  - उस पर रिपोर्ट बनाना और उन्हें संसद में प्रस्तुत करना;
  - रक्षा मंत्रालय से संबंधित ऐसे विधेयकों की जांच करना जिन्हें समिति को भेजा जाता है;
  - रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करना सदनों में प्रस्तुत राष्ट्रीय बुनियादी दीर्घकालिक नीति दस्तावेजों पर विचार करना।

**Sources:** TH

# संक्षिप्त समाचार

## अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

### सन्दर्भ

- प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित किया।

### अभिधम्म दिवस

- यह भगवान बुद्ध के तावतींसा-देवलोक के दिव्य क्षेत्र से देवताओं को अभिधम्म सिखाने के बाद उनके अवतरण की याद में मनाया जाता है, जिसमें उनकी दिवंगत मां भी शामिल थीं।
- इस स्थल पर स्थित ऐतिहासिक चिह्न अशोकन हाथी स्तंभ इस महत्वपूर्ण घटना को दर्शाता है।

### अभिधम्म की शिक्षाएँ

- अभिधम्म वास्तविकता का पता लगाने के लिए एक विशेष और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाता है।
- यह अस्तित्व की प्रकृति को समझने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा प्रदान करता है, जन्म, मृत्यु और मानसिक घटनाओं की प्रक्रियाओं को सटीक एवं अमूर्त तरीके से संबोधित करता है।
- अभिधम्म वास्तविकता को चार परम वास्तविकताओं में वर्गीकृत करता है: चित्त (चेतना), चेतसिका (मानसिक कारक), रूपा (भौतिक घटनाएँ) और निब्बान (बिना शर्त की स्थिति, या परम मुक्ति)।

### पाली भाषा को शास्त्रीय दर्जा

- प्राचीन भाषा ने 500 ईसा पूर्व के आसपास भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को वितरित करने के लिए वाहन के रूप में कार्य किया।
- त्रिपिटक, या "त्रिगुणित टोकरी", जिसमें विनय पिटक (मठवासी अनुशासन), सुत्त पिटक (बुद्ध के प्रवचन), और अभिधम्म पिटक (दार्शनिक विश्लेषण) शामिल हैं, पूरी तरह से पाली में लिखा गया है।
  - ये ग्रंथ थेरवाद बौद्ध दर्शन और अभ्यास की नींव हैं।
- पाली साहित्य में जातक कथाएँ शामिल हैं, जो बुद्ध के पिछले जीवन की कहानियों का वर्णन करती हैं।

**Source:** PIB

# अज़ोरेस द्वीप समूह

## सन्दर्भ

- पुर्तगाल के अज़ोरेस द्वीप समूह की क्षेत्रीय सभा ने अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए उत्तरी अटलांटिक में सबसे बड़े संरक्षित समुद्री क्षेत्र के निर्माण को मंजूरी दी।

## परिचय

- इसका उद्देश्य पिछले वर्ष अपनाए गए वैश्विक समझौते के तहत 2030 तक पृथ्वी की 30% भूमि और समुद्र की रक्षा करने के संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है।
- नेटवर्क गहरे समुद्र के कोरल, हाइड्रोथर्मल वेंट और समुद्री प्रजातियों सहित पानी के नीचे की पर्वत श्रृंखलाओं एवं कमजोर समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों के संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

## अज़ोरेस द्वीप समूह

- नौ द्वीपों वाला यह द्वीपसमूह एक स्वायत्त क्षेत्र है जो पुर्तगाल की मुख्य भूमि से लगभग 1,500 किमी (932 मील) पश्चिम में स्थित है और उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है तथा यहाँ अद्वितीय समुद्री जैव विविधता पाई जाती है।
- अज़ोरेस तीन अलग-अलग द्वीप समूहों में विभाजित हैं: पूर्वी समूह, मध्य समूह और उत्तर-पश्चिमी समूह।
- उनकी अस्थिर भूगर्भिक प्रकृति का संकेत कई भूकंपों और ज्वालामुखी विस्फोटों से मिलता है।

**Source:** TP

## अमेरिका का क्लिक-टू-कैंसिल नियम

### समाचार में

- संयुक्त राज्य अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग ने एक नियम को अंतिम रूप दिया है, जिसके तहत विक्रेताओं को सेवाओं के लिए साइन अप करने जितना ही आसान रद्दीकरण करना होगा।
    - अधिकांश प्रावधान संघीय रजिस्टर में प्रकाशन के 180 दिन बाद प्रभावी होंगे।

### नियम के बारे में

- यह नियम FTC द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था में भ्रामक प्रथाओं को संबोधित करने के लिए 1973 के नकारात्मक विकल्प नियम के आधुनिकीकरण का हिस्सा है।
- यह नियम किसी भी मीडिया में लगभग सभी नकारात्मक विकल्प कार्यक्रमों पर लागू होगा।
    - FTC "नकारात्मक विकल्प (negative option)" कार्यक्रमों को इस तरह परिभाषित करता है, "कंपनियाँ मानती हैं कि ग्राहक ने कोई सेवा स्वीकार कर ली है, जब तक कि वे इसे विशेष रूप से अस्वीकार न कर दें"।
    - इसमें उपभोक्ता द्वारा एक सप्ताह के परीक्षण के लिए सहमत होना और नियमित सदस्यता के लिए बिल भेजे जाने से पहले इसे रद्द न करना शामिल होगा।

### प्रमुख दिशानिर्देश :

- विक्रेता नकारात्मक विकल्प विपणन में तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत नहीं कर सकते।
- विक्रेताओं को उपभोक्ताओं की बिलिंग जानकारी प्राप्त करने से पहले महत्वपूर्ण जानकारी का प्रकटीकरण करना चाहिए।
- विक्रेताओं को नकारात्मक विकल्प सुविधाओं के लिए शुल्क लेने से पहले उपभोक्ताओं से सूचित सहमति प्राप्त करनी चाहिए।
- विक्रेताओं को उपभोक्ताओं को तुरंत शुल्क रद्द करने और रोकने के लिए एक सीधा तंत्र प्रदान करना चाहिए।

**क्या आप जानते हैं ?**

- अंतिम नियम में नकारात्मक विकल्प सुविधाओं के बारे में वार्षिक अनुस्मारक की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया।
- विक्रेता उपभोक्ताओं को योजना संशोधनों के बारे में तब सूचित कर सकते हैं जब वे रद्दीकरण चाहते हैं, लेकिन पहले उन्हें पूछना होगा कि क्या वे इसके बारे में सुनना चाहते हैं।

### उद्देश्य

- इस नियम का उद्देश्य जटिल रद्दीकरण प्रक्रिया को समाप्त करना तथा उपभोक्ताओं के समय और धन की बचत करना है।

**Source :IE**

## "लेडी जस्टिस" की नई प्रतिमा

### समाचार में

- भारत के उच्चतम न्यायालय ने न्याय की आधुनिक व्याख्या को प्रतिबिंबित करने के लिए अपने न्यायाधीशों के पुस्तकालय में "लेडी जस्टिस" की एक नई प्रतिमा स्थापित की है।

### "लेडी जस्टिस" की प्रतिमा के बारे में

- "लेडी जस्टिस" की मूर्ति को दिल्ली के एक भित्ति चित्रकार और शिक्षक विनोद गोस्वामी ने डिजाइन किया था।
- मूर्ति में बिना आंखों पर पट्टी बांधे साड़ी पहने एक महिला को दर्शाया गया है।
    - उसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पारंपरिक तलवार की जगह भारत के संविधान की एक प्रति है।
- **प्रतीकात्मकता:** मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अनुसार, आंखों पर पट्टी न होना यह दर्शाता है कि "कानून अंधा नहीं है; यह सभी को समान रूप से देखता है।"
    - इस नए प्रतिनिधित्व का उद्देश्य न्याय में निष्पक्षता और समानता के महत्व को व्यक्त करना है।
    - यह मूर्ति चल रहे कानूनी सुधारों और भारत के कानूनी ढांचे को "उपनिवेशवाद से मुक्त" करने के लक्ष्य को दर्शाती है।

**क्या आप जानते हैं ?**

- लेडी जस्टिस की छवि ग्रीक और रोमन पौराणिक कथाओं से उत्पन्न हुई है, जिसका विशेष रूप से प्रतिनिधित्व थेमिस और जस्टिटिया द्वारा किया गया है, जिन्हें पारंपरिक रूप से आंखों पर पट्टी बांधकर नहीं दिखाया गया था।
- आंखों पर पट्टी बांधे जाने की छवि 15वीं शताब्दी में लोकप्रिय हुई, मूल रूप से न्याय की आलोचना के रूप में।
- ब्रिटिश राज ने भारत में लेडी जस्टिस की प्रतिमा की शुरुआत की, जिसका उपयोग न्यायालयों में किया जाता है।
    - लेडी जस्टिस के ऐतिहासिक चित्रण प्रमुख भारतीय उच्च न्यायालयों में पाए जा सकते हैं, कभी आंखों पर पट्टी बांधकर तो कभी बिना पट्टी के।

Source :IE

## भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

### सन्दर्भ

- हाल के दिनों में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट में से एक में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.746 बिलियन डॉलर घटकर 690.43 बिलियन डॉलर रह गया।
    - सितंबर के अंत में, भंडार 704.885 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

## परिचय

- विदेशी मुद्रा भंडार ऐसी परिसंपत्तियाँ हैं जो किसी केंद्रीय बैंक द्वारा रखी गई विदेशी मुद्रा में अंकित होती हैं।
- इन भंडारों का उपयोग देनदारियों का समर्थन करने और मौद्रिक नीति को प्रभावित करने के लिए किया जाता है।
- इनमें विदेशी मुद्राएँ, बांड, स्वर्ण भंडार, ट्रेजरी बिल और अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

## विदेशी मुद्रा भंडार का उद्देश्य:

- **मुद्रा को स्थिर करना:** केंद्रीय बैंक विनिमय दरों का प्रबंधन करने और मुद्रा स्थिरता बनाए रखने के लिए भंडार का उपयोग करते हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाना:** भंडार किसी देश को आयात के लिए भुगतान करने और अंतर्राष्ट्रीय ऋणों का निपटान करने की अनुमति देता है।
- **विश्वास का निर्माण:** भंडार का उच्च स्तर किसी देश की अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है।
- **संकट प्रबंधन:** भंडार आर्थिक आघातों या अचानक पूंजी बहिर्वाह के विरुद्ध एक बफर प्रदान करते हैं।

**Source:** ET

# मधुमेह के लिए स्मार्ट इंसुलिन

## समाचार में :

वैज्ञानिकों ने NNC2215 नामक एक "स्मार्ट" इंसुलिन विकसित किया है, जो रक्त शर्करा में परिवर्तन के प्रति वास्तविक समय में प्रतिक्रिया करता है।

## NNC2215 के बारे में:

- इसमें इंसुलिन अणु के अंदर ही एक "ऑन-एंड-ऑफ स्विच" की सुविधा है।
- इसमें एक रिंग संरचना और एक ग्लूकोसाइड होता है जो रक्त शर्करा के कम होने पर इंसुलिन को निष्क्रिय रखता है।
    - जब ग्लूकोज का स्तर बढ़ता है, तो ग्लूकोज ग्लूकोसाइड का स्थान ले लेता है, जिससे इंसुलिन सक्रिय हो जाता है।
- **प्रभावशीलता:** पशु परीक्षणों (चूहों और सूअरों) में रक्त शर्करा को कम करने में NNC2215 मानव इंसुलिन के समान ही प्रभावी पाया गया है।

## मधुमेह

- मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है जो या तो तब होती है जब अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है या जब शरीर अपने द्वारा उत्पादित इंसुलिन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता है।
    - इंसुलिन एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है।

- यह विश्व भर में आधे अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करता है, जिससे वार्षिक लगभग सात मिलियन मृत्यु होती हैं।

- **मधुमेह के प्रकार:** टाइप 1 मधुमेह की विशेषता यह है कि अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है, जो प्रायः बचपन में शुरू होता है।
  - टाइप 2 मधुमेह में कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाती हैं, जिसके लिए अग्न्याशय से अधिक उत्पादन की आवश्यकता होती है।
- **वर्तमान उपचार:** रोगी सिंथेटिक इंसुलिन का उपयोग करते हैं, जिसके लिए रक्त शर्करा के स्तर में खतरनाक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है।
- **भविष्य का दृष्टिकोण:** नए इंसुलिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का और अधिक आकलन करने के लिए मानव परीक्षणों की योजना बनाई गई है।

**Source :IE**

## टिड्डियों का प्रकोप

### सन्दर्भ

- केरल में धब्बेदार टिड्डियों के प्रकोप से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

### परिचय

- टिड्डे छोटे सींग वाले टिड्डे होते हैं, जिनकी आदत अत्यधिक प्रवासी होती है।
- टिड्डे एकांत अवस्था से लेकर सामूहिक अवस्था में परिवर्तित कर सकते हैं, जहाँ वे घने झुंड बनाते हैं जो भोजन की खोज में सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर सकते हैं।
- भारत में केवल चार प्रजातियाँ पाई जाती हैं, रेगिस्तानी टिड्डा (शिस्टोसेरका ग्रेगेरिया), प्रवासी टिड्डा (लोकस्टा माइग्रेटोरिया), बॉम्बे टिड्डा (नोमैडैक्रिस सक्सिन्टा) और वृक्ष टिड्डा (एनाक्रिडियम एसपी)।
- रेगिस्तानी टिड्डा भारत के साथ-साथ अंतरमहाद्वीपीय संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण कीट प्रजाति है।
- **चिंता:** वे प्राकृतिक और खेती की गई वनस्पतियों को भारी हानि पहुँचाते हैं, जिससे भोजन और चारे की राष्ट्रीय आपात स्थिति उत्पन्न होती है।

**Source:** TH

## अफ़्रीकी बाओबाब (एडानसोनिया डिजिटाटा)

### सन्दर्भ

- दक्षिण अफ्रीकी पारिस्थितिकीविदों के एक नए शोध ने इस दावे का खंडन किया है कि अफ्रीकी बाओबाब वृक्ष जलवायु परिवर्तन के कारण मर रहा है।

### अफ़्रीकी बाओबाब

- **विशेषताएँ:** बाओबाब 5-25 मीटर की ऊँचाई तक बढ़ते हैं और उनके तने का व्यास 14 मीटर तक होता है।

    - उनके तने चौड़े और बोतल के आकार के होते हैं, जो शुष्क वातावरण में जीवित रहने के लिए पानी का भंडारण करते हैं।
    - बाओबाब पर्णपाती होते हैं, शुष्क मौसम में अपनी पत्तियाँ खो देते हैं, और वर्ष के लगभग आठ महीनों तक पत्ती रहित रहते हैं।
- **वितरण:** वे सामान्यतः उप-सहारा अफ्रीका के शुष्क, गर्म सवाना में पाए जाते हैं। यह एक हज़ार से ज़्यादा वर्षों तक जीवित रह सकता है।
- **फल:** बाओबाब कठोर खोल वाले, अंडाकार फल पैदा करते हैं जिन्हें विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर कहा जाता है।
- **सांस्कृतिक महत्व:** अफ्रीकी लोककथाओं में, बाओबाब को प्रायः एक पवित्र पेड़ के रूप में देखा जाता है, और यह कई स्थानीय परंपराओं और मिथकों में श्रद्धा का स्थान रखता है।

**Source:** DTE

## मुसनेड प्लेटफार्म

### सन्दर्भ

- सऊदी अरब ने प्रवासी श्रमिकों की मजदूरी सुरक्षा और मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए मुसानेड प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

### परिचय

- यह घरेलू कामगारों की भर्ती प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने, इसमें शामिल सभी पक्षों के अधिकारों की सुरक्षा बढ़ाने और नियोक्ताओं और घरेलू कामगारों को उनके अधिकारों एवं जिम्मेदारियों के बारे में सूचित करने के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक मंच है।
- इस मंच से सूडान और इथियोपिया सहित 10 अफ्रीकी देशों तथा भारत एवं बांग्लादेश जैसे नौ एशियाई देशों के श्रमिकों को लाभ होगा, यह मंच पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाता है।

### प्रमुख विशेषताएँ

- घरेलू (परिवार) कार्य क्षेत्र में कार्य करने वाले विदेशी कर्मचारी वर्तमान रोजगार अनुबंधों की जांच कर सकते हैं और एक समर्पित मुसनेड श्रम ऐप में अपडेट का पालन कर सकते हैं।

- यह विदेशी दूतावासों को सऊदी में कार्य करने वाले अपने नागरिकों से संबंधित सभी विवरणों पर सिस्टम पर "पहुंच देखने" की अनुमति देता है। मुसनेड प्लेटफ़ॉर्म को अनुबंध बीमा और स्वास्थ्य लाभ से जोड़ा जा सकता है।

**Source:** TH

## मलावी

### सन्दर्भ

- अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मलावी पहुंचीं, जो किसी भारतीय राष्ट्रपति की मलावी की पहली यात्रा है।

### मलावी के बारे में:

- यह दक्षिण-पूर्व अफ्रीकी देश है, जिसकी सीमा पश्चिम में जाम्बिया, उत्तर एवं उत्तर-पूर्व में तंजानिया और पूर्व, दक्षिण तथा दक्षिण-पश्चिम में मोजाम्बिक से लगती है।
- अफ्रीका की तीसरी सबसे बड़ी और दूसरी सबसे गहरी झील एवं विश्व की नौवीं सबसे बड़ी झील मलावी (जिसे न्यासा झील भी कहा जाता है) को 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। यह देश के कुल क्षेत्रफल के पांचवें हिस्से से भी अधिक है।
- पूर्वी अफ्रीकी दरार घाटी उत्तर से दक्षिण तक देश से होकर गुजरती है। राजधानी और सबसे बड़ा शहर लिलोंग्वे है।
- मलावी नाम मारवी से आया है, जो इस क्षेत्र में रहने वाले चेवा लोगों का पुराना नाम है। अपने लोगों की मित्रता के कारण देश को "अफ्रीका का गर्म दिल" उपनाम दिया गया है।
- **राजनीतिक स्वतंत्रता:** देश ने 1964 में अंग्रेजों से मलावी के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त की।
- **अर्थव्यवस्था:** देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है, जिसमें कृषि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का 37% योगदान देती है और कुल कार्यबल का 80% रोजगार देती है।

Source: AIR

■■■■